मासिक समाचार पत्र

RNI - MPHIN/2020/83379

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

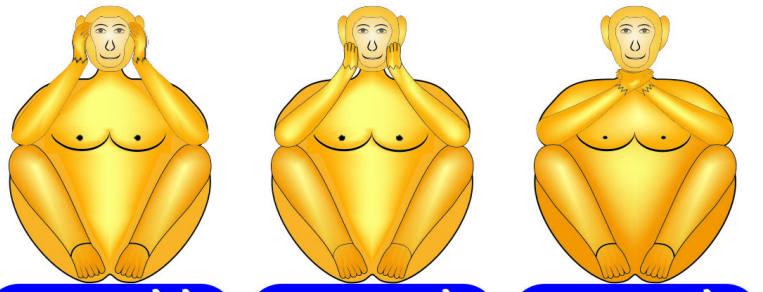

बुरा मत सोचो बुरा मत मानो बुरा मत करो

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

प्रधान संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

वर्ष -4 अंक-5 इन्दौर, 15 जुलाई 2023 पृष्ठ - 8 मूल्य 1 रुपये

सुविचार: हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता है:- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

'घर परिवार और अपनो को मुझे बचाना है मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है'

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल का जन्म इन्दौर में 29 सितम्बर 1962, आधार कार्ड की परि कल्पना को 29 सितम्बर 2005 को भारत सरकार द्वारा संज्ञान में लिया गया। आधार कार्ड का शुभारंभ 29 सितम्बर 2010 को ग्राम टेभंली,नन्दूरबार, महाराष्ट्र में हुआ, पूरे भारत देश में 29 सितम्बर को हर वर्ष आधार कार्ड दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

समाचार पत्र कलचुरी वार्ता के प्रधान सम्पादक श्री राजेश राय जी

निर्भयसिंह चौहान, पालिया के पुत्र के विवाह समारोह में आशीर्वाद देते हुए।

डॉ. भक्ति यादव जिनके हाथों आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल का जन्म हुआ।

Do Raman Yadav...
last seen today at 09:22

अंततः
पद्म श्री डा भक्ति यादव किसी एक समाज से बधी हुईं नहीं थी,
और यह बात भी स्थापित है कि कोई भी चिकित्सक जाति या समाज, समुदाय पूछ कर इलाज नहीं करता है,
महिलाओं का तो अटूट विश्वास था उनपर ,तभी तो मरीज इन्हें मां,माम,माताजी,या ताजी कह कर संबोधित करते थे
वे काछी मोहल्ला में जितनी लोकप्रिय थीं, उतनी ही रामबाग,नारायण बाग,जाति कालोनी,शंकर बाग, बाणगंगा क्षेत्र में थी
शिवाजी नगर में हल्दी कंकू में वे जाती रहती थी, इन्दौर के छोटे से छोटे व्यक्ति के बुलावे पर वे जाती थी
इनके संबंध इतने सहजता से महिलाओं के साथ होते थे ,कि साठ के दशक से २०१५ तक जब तक ,वे मरीज महिलाएं अपने व्यक्तिगत मामले भी इनसे ,साझा किया करती थी

Do Raman Yadav...
last seen today at 09:22

पद्म श्री डा भक्ति यादव कहा करती थी,कि यह मरीजों के साथ
समनवयता ईलाज करने में सहायक होता है, उन्होंने इसका जिक्र एक वीडियो में किया है,वे जानती थी,की आजकल इस आत्मीयता का चिकित्सक व महिलाओं के बीच अभाव है,
आज भी इनके द्वारा इलाज की गई पीढ़ियां जीवित हैं,
हजारों महिलाएं जिन्हें इन्होंने, प्रसव पीड़ा से मुक्ति दी वे भी इनके, चिकित्सकीय मर्म की साक्षी है,
इनके द्वारा प्रज्वलित संतानें विश्व के हर शहर में मौजूद हैं,चाहे अमेरिका हो आस्ट्रेलिया हो, अफ्रीका हो,या भारत के अन्य राज्य,
हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान द्वारा इनकी प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प बहुत बड़े पैमाने पर , समाज के हर तबके को प्रभावित करेगा
आप सभी का हृदय से आभार
रमण यादव 🙏

11:09

जब पार्टी का झंडा उठाने वालों का टोटा था तब सैकड़ों नौजवान तैयार किए

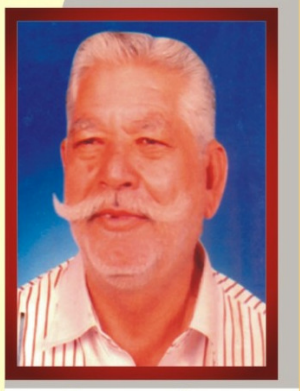

जीवन परिचय

विष्णुप्रसाद शुक्ला

(बड़े भैय्या)

लोकतंत्र सेनानी

जन्म : 1–7–1937

पिता : दुर्गाप्रसाद शुक्ला

शिक्षा : इंटर मीजिएट

निवास : 94, दुर्गा भवन, बाणगंगा मेनरोड, इन्दौर

व्यवसाय : खेती

मो. : 9826040002

जनसंघ, जनता पार्टी और फिर भारतीय जनता पार्टी के अस्तित्व में आने के शुरुआती दौर में कार्यकर्ता जब ऊंगलियों पर गिने जाते थे, तब ऐसे दौर में निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में विष्णुप्रसाद शुक्ला जैसे दबंग कार्यकर्ता मैदान पकड़ते थे। जो भी काम संगठन उन्हें सौंपते थे, पूरी निष्ठा, ईमनदारी और लगन के साथ वे उसे राष्ट्रसेवा मानकर पूरा करते थे। ऐसे विरले कार्यकर्ताओं की लगन से और लगभग आज भी पार्टी के लाखों कार्यकर्ता राष्ट्रसेवा की भावना से जुटे हुए हैं।

विष्णु प्रसाद शुक्ला (बड़े भैय्या) उसी दौर के कार्यकर्ताओं में से एक होकर मात्र 10 वर्ष की उम्र में चुनाव के लिए पर्ची बांटना और झंडी लगाने का कार्य करने लगे और इसके लिए उन्हें स्व. प्यारेलालजी खंडेलवाल एवं श्री फूलचंद वर्मा का विशेष रूप से मार्गदर्शन मिलता रहा। श्री शुक्ला 19 माह तक सी.आई. सेन्ट्रल जेल में मीसा के तहत बंद रहे। बाद में कुछ दिनों के लिए उन्हें जावरा जेल में भी शिफ्ट कर दिया गया था। 1977 में रिहाई के बाद वे खुलकर पार्टी के लिए काम करने लग गए। नौजवानों को साथ लेकर हर चुनाव में जबलपुर, देवास, इन्दौर, राजगढ़, उज्जैन, नागदा में जोरशोर से प्रचार–प्रसार करने लगे थे। वे 1992 में अयोध्या रामंदिर कार सेवा के लिए भी गए थे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ जमकर मोर्चा बनाए रखा था। श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री राजेन्द्र धारकर जी की सभाओं में वे हमेशा जाते थे और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को भी ले जाते थे। श्री शुक्ला ने बताया कि वे 32 वर्षों से कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष का दायित्व निर्विरोध रूप से संभालते हुए समाज के जरूरतमंद परिवारों और विद्यार्थियों की हर समय सहायता करते है। राजमोहल्ला स्थित धर्मशाला में तीन मार्केट बना रखे हैं, जिससे समाज की आर्थिक स्थिति सुधरे। उन्हीं के सहयोग से स्कीम नं. 54 में मैनेजमेंट कॉलेज की स्थापना की गई है, जहां पर 1500 बच्चे अध्ययन कर रहे हैं और 2002 से यहां पर नर्सिंग कॉलेज की भी स्थापना की गई है, जिसमें 180 बच्चे अध्ययनरत् है। यहां के बच्चे प्रदेश में अव्वल नंबर पर आते हैं। इस संस्था को चलाने के लिए किसी से भी चंदा नहीं लिया जाता, जो भी स्वेच्छा से योगदान करें वह स्वीकार किया जाता है। इन शिक्षण संस्थाओं में बिना लाभ–हानि के सेवा भावना से काम कर रहे हैं। ब्राह्मण समाज के उत्थान और विकास के लिए अभियान चला रखा है। आप 22 वर्षों से बसंत पंचमी पर सामूहिक विवाह आयोजन करते आ रहे हैं, जिसमें 50 हजार तक का वर–वधुओं को दहेज भी देते हैं।

आप वरलई शुगर मिल में तीन बार अध्यक्ष रहे। श्री कुशाभाऊ ठाकरे के निर्देश पर दो बार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 से चुनाव लड़े। स्वाभीमानी जीवन होकर वे कभी भी कांग्रेस के सामने झूके नहीं है। आपके परिवार की ओर से लम्बे समय से गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। युवा नेता गोलू शुक्ला द्वारा बाणेश्वरी कावड़ यात्रा निकाली जाती है, जिसकी चर्चा इन्दौर शहर ही नहीं बल्कि पूरे देश में होती है। परशुराम जयंती के अवसर पर जनेव संस्कार एवं सामूहिक विवाह का आयोजन हर वर्ष कराया जाता है। इस बार भी 411 बच्चों का यज्ञोपवित संस्कार कराया गया। आज भी वे कई जरूरतमंद लोगों को रोजाना भोजन प्रसादी वितरित करते हैं। जानापाव कुटी पर भी आपके प्रयासों से आवागमन का साधन सुलभ कराने के लिए शिवराजसिंह सरकार ने 11 करोड़ दिया, जिसका लगातार विकास हो रहा है। हमारा परिवार भी पार्टी की समर्पण भावना से सेवा कर रहा है।

अल्पसंख्यकों को भाजपा से जोड़ने का सराहनीय कार्य निरंतर कर रहे

जीवन परिचय

हाजी खुरासान पठान

समाज सेवी

मो. : 9300677262

उम्र : 72 वर्ष

जन्म स्थान : इन्दौर

शिक्षा : 10वीं

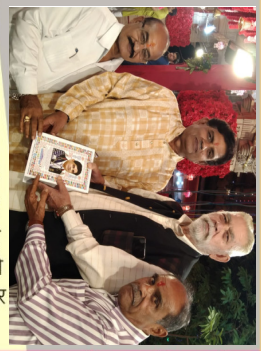

निवास : 20, शास्त्री कालोनी इन्दौर (म.प्र.:

व्यवसाय : समाज सेवा

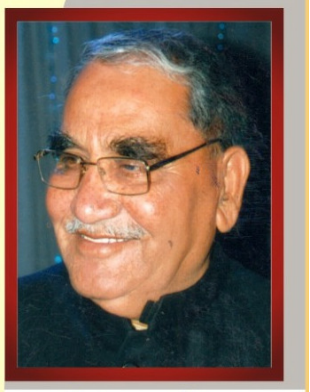

इन्दौर शहर में जन्म होने के पश्चात् बाल्यवास्था से ही आजादी के आंदोलन के प्रत्यक्षदर्शी होने से देश के प्रति समर्पित भावना का प्रादुर्भाव, अक्षसात होने से किशोरवस्था के होने तक पूर्ण रूप से सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित रूप से सक्रिय होकर कार्य करने लगे। अल्पसंख्यक परिवार के होने के पश्चात् भी जाति धर्म को छोड़कर एक सच्चे भारतीय की तरह सामाजिक उत्थान में रत है।

वर्ष 1967 में हिन्दुवादी प्रमुख संगठन ''जनसंघ'' के सक्रिय सदस्य बने। वर्ष 1975 में मीसा कानून के तहत् 19 माह तक कारावास में रहे। तथा वर्ष 1980 में मुम्बई अधिवेशन में भारतीय जनता पार्टी का गठन होने के पश्चात् से ही सक्रिय सदस्य रहे। म.प्र. भाजपा के कार्यकारिणी सदस्य के साथ ही, भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा गठन के पश्चात् से ही सक्रिय सदस्य के रूप में कार्यरत रहे एवं वर्तमान में विगत् कई वर्षों से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा इन्दौर के शहर प्रमुख के रूप में कार्यरत् है। शहर व प्रदेश भाजपा के सभी जन आंदोलनों का सहभागी होकर कारावास में भी रहे तथा शहर, प्रदेश व देश के विकास में सदैव तत्पर प्रहरी के रूप में योगदान देते हुए पार्टी में कार्यरत् है। शहर में सामाजिक कार्यों के साथ–साथ ही रचनात्मक कार्यों में सदैव कार्यरत् हूँ इसके साथ ही आवश्यकता के अनुरूप जरूरतमंदों की तन–मन–धन से सहायता करने का कार्य भी प्रारंभ से ही करता आ रहा हूँ। प्रतिवर्ष पवित्र माह रमजान के 21वें रोजे पर सार्वजनिक रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन कर सभी जाति व धर्म के लोगों को एक जाजम पर इकठ्ठा किया जिसमें इन्दौर शहर के शहर काजी, मुफ्ती–ए–मालवा एवं संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री इन्द्रेश कुमारजी द्वारा शामिल होकर भाईचारे का पैगाम दिया। देश व जनहित के साथ ही सामाजिक उत्थान के किये कार्यों का उल्लेखनीय कार्यों को दृष्टिगत् रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर सार्वजनिक रूप से साल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह के साथ ही प्रमाण पत्र प्रदान कर पार्टी द्वारा सम्मानित किया गया। इसी क्रम में भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री द्वारा मौलाना आजाद एज्युकेशनल फाउन्डेशन में निरीक्षण चेनल के सदस्य हेतु चयनित किया गया। वर्तमान में मध्यप्रदेश अल्पसंख्यक के उपाध्यक्ष पद पर रहा। नेताजी सुभाष मंच में संरक्षक मण्डल में है। हर चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में तन–मन–धन में सहयोग प्रदान करने के साथ अल्पसंख्यक वर्ग में **भाजपा की पेठ** बनाने में काफी वर्षों से भरसक प्रयत्न करना किसी से छुपा नहीं है। इन्दौर शहर में जनसंघ और उसके बाद भाजपा जब पार्टी में गिने चुने लोग ही थे उनमें से एक होकर लगातार अल्पसंख्यक को पार्टी से जोड़ने का कार्य निरंतर करते रहे उसी का परिणाम है कि, आज इन्दौर शहर में पार्टी के साथ एक बहुत बड़ा हिस्सा अल्पसंख्यकों का जुड़ा है एक समय ऐसा था जब पार्टी के साथ अल्पसंख्यक जुड़ना पसंद नहीं करते थे, व मुझे भी हीन भावना से देखते थे, मगर धीरे–धीरे समय बदला और निरंतर पार्टी के रिती–नितीयों को अल्पसंख्यक वर्ग तक पहुंचाने में भरसक प्रयत्नों का यह नतीजा है कि एक बड़ा वर्ग आज भाजपा से जुड़ा है। समय–समय पर अलग–अलग धर्मों के त्यौहारों पर निकलने वाली यात्राओं या आयोजनों में सम्मिलित होकर उनका स्वागत करना यह एक संदेश है। आपसी भाईचारे का जिसके लिये लगातार प्रयासरत् रहता हूँ। हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराजसिंहजी चौहान द्वारा प्रदेश सरकार के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं जैसे बेटी बचाओ, लाड़ली लक्ष्मी योजना व अन्य योजनाओं का प्रचार प्रसार अल्पसंख्यक वर्ग में करना और उन्हें उसका लाभ दिलाने हेतु सदैव तत्पर रहता हूँ।

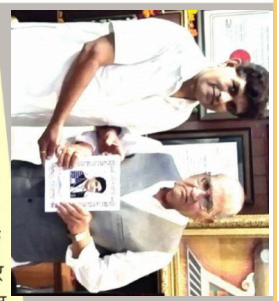

जब आधार कार्ड है साथ, तो डरने की है क्या बात।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
वरिष्ठजन विशेषांक
उच्च न्यायालय के न्यायाधीश व उपलोकायुक्त जैसे अति सम्मानजनक व महत्वपूर्ण पदों पर सेवा दे चुके मऊ निवासी उमेशचंद्र माहेश्वरी वर्तमान में युवा पीढ़ी के लिये प्रेरक बने हुए हैं। इतना ही नहीं वे युवा वर्ग के मार्गदर्शन के साथ विभिन्न सेवा गतिविधियों में भी सतत रूप से अपना योगदान देते रहे हैं।
उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश
उमेशचंद्र माहेश्वरी
Visit us @ srimaheshwaritimes.com

अमर संगीत का सफर गीतमाला रेडियो स्टेशन के उदघोषक अमीन सयानी जी के व्यक्तव्य 1965

(सारेगामा कारवां)

तो साहब ये अनमोल गीत रह गया था छांव मे और जनता की पसंद में चित्रलेखा के जीस एक जरा सीधे साधे से गीत को उछालकर साल की पायदान नंबर 30 पर पहुंचा दिया था। अजी मारा तो असल में मे गया था उन दिनों जब गीतमाला के रिस्पॉन्सर के दफ्तर मे कुछ बडे गुणी सीनियर संगीतकारो के डेडिकेशन ने धावा बोल दिया यह कहते हूए कि गीतमाला के हिट गीतों का जो चुनाव होता है वह बिल्कुल गलत होता है आजकल गीतमाला में सिर्फ कुछ नए म्यूजिक डायरेक्टर छा रहे हैं, हम जैसे सीनियर संगीतकारों के गीत बहुत कम बजने लगे हैं और हम लोगो की लाजवाब धुनो के साथ ना इन्सानफी हो रही है इसलिए हमारी यह डिमांड है कि गीतमाला रेडियो प्रोग्राम को फोरन बंद कर दिया जाए, बहनो और भाइयो जाहिर हे मैं भी उस मीटिंग में मौजूद था, और बहुत धक्का लगा मुझे की भाई हम कभी यह तो नहीं कहते की गीत माला मैं हिट होने वाले गीत ही सबसे अच्छे गीत हैं हमारा काम तो सिर्फ यह है कि हम इस डेमोक्रेसी में सिर्फ अच्छी तरह बड़ी बारिकी से बडी ईमानदारी से पता लगाकर गीतमाला में बताए कि जनता के दिलों में कौन से गीत सबसे ज्यादा पॉपुलर है सबसे ज्यादा लोकप्रिय है बहर हाल में बड़ी इज्जत बड़े आदर से गीतमाला के गीतों के सिलेक्शन प्रोसेस की तमाम फाइले उन गुरुजनों के सामने रख दि रिकॉर्डो की बिक्री की रिपोर्टे, भी और श्रोता संघ यानी रेडियो क्लब्स की फाइलें भी और कहा यह लीजिए सज्जनों आप खुद ही इन ढेर सारी लिस्टो को बड़ी बारिकी से जांच लीजिए और बहन और भाइयों जब तक वह सीनियर संगीतकार गीतमाला की पॉपुलर रेटिंग्स की रिपोर्टे जांच रहा है ना हम उस साल की छांववाली गीतो की कहानी आगे बढ़ाएं। जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी मगर एक मिनट भाई अगर आपने वह फिल्म नहीं देखी थी तो जरा हरमंदिर सिंह हमराज की मशहूर हिंदी फिल्म गीत कोश में फिल्म की स्टारकार्श में नाम देख ले तो उसमें आप सबसे छोटा सा नाम मेरा भी पाएंगे।

जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी, जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी
क्या अमीरी क्या गरीबी भुलो बातें पुरानी, जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी........

टुटा जो आज दिल का वो साज रोने लगा एक बदनसीब, हॅसने लगे दुनिया के लोग, कोई हुआ बर्बाद
जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी, जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी।

ये ऊंच नीच दुनिया के बीच, आखिर ये क्यों बोलो कोई,जो है भला, वो क्यों बुरा, हम तो ना समझे ये राज
जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी, जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी।

आपस में बाँटे जो हम, फिर ना रहे ऐसे सितम,कहने को हम इंसान है इंसानियत कहाँ है
जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी, जागो सोने वालों सुनो मेरी कहानी।

हां तो बहनों और भाइयों उन सीनियर और संगीत कारो ने हमारे सिलेक्शन प्रोसेस की सारे कागजात बहुत अच्छी तरीके से जांचे मैंने उन्हें यह भी समझाया की गुरुजनों गीतमाला तो सिर्फ जनता की पसंद का आईना है और पसंद के पॉपुलैरेटि के कई कारण हो सकते हैं और फिर जमाना बदलते भी तो रहता है आप शानदार लोग जब आए थे, तो आपने भी कई पुराने लोगों को पीछे छोड़ दिया था आज कुछ नए संगीतकार जो उभर रहे हैं और यह भी बहुत अच्छा संगीत दे रहे हैं तो आखिर मान गए वह सब सुरीले सीनियर और कहा हां भाई आपका काम तो बिल्कुल सही है मगर हमारे लिए भी तो कुछ जरूर कीजिए।

जज- क्या तुमने नारा लगाया था कि भारत के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे,
आरोपित: 🐷जी हां।

जज: क्या तुमने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया था?
आरोपी: 🐷 जी हां।

जज: आपने राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज का विरोध और अपमान किया।आरोपित: 🐷जी हां।

जज: क्या आपने आतंकवाद और नक्सलवाद का समर्थन किया,
आरोपित: 🐷 जी हां।

जज- क्या आपने सेना, पुलिस के खिलाफ हथियार उठाने का समर्थन किया था,
आरोपित: 🐷जी हां।

जज- क्या आपने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया,
आरोपित: 🐷जी हां।

जज: क्या तुमने भारत में पाकिस्तान का झंडा फहराया,
आरोपित: 🐷जी हां जज साहब, मैंने ये सब किया है।

जज: तुमने ऐसा क्यों किया, क्या तुम इस देश के नागरिक नहीं हो, जानते हो इस देशद्रोह की सजा क्या है।

आरोपी:🐷 जी हाँ जज साहब मैं इन सबसे परिचित हूं और यह मैंने बहुत सोच समझकर किया है।

इससे पहले मैं गुमनाम व्यक्ति था, छोटी-छोटी चीजों के लिए तरसता था, लेकिन जब से मैंने ऐसा किया है तब से मैं सम्माननीय लोगों की श्रेणी में आ गया हूँ। राहुल, सोनिया, लालूपुत्र, माया, अखिलेश, ममता, पवार, देवेगौड़ा, येचुरी, अब्दुल्ला, केजरीवाल जैसे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के बड़े नेता मुझसे मिलने के लिए बेचैन हैं।

मेरे पास दिन भर फोन आ रहे हैं, कोई न कोई रोज सुबह-शाम मुझसे मिलने आता है।

अच्छे अच्छे राजनीतिक विश्लेषक मेरी विचारधारा पर बहस कर रहे हैं। रवीश कुमार, राजदीप सरदेसाई, बरखा दत्त, प्रसून जोशी और शेखर गुप्ता जैसे पत्रकार मेरी प्रशंसा कर रहे हैं, प्रिंट मीडिया में मुझ पर लेख लिखे जा रहे हैं, टीवी चैनलों पर मुझ पर बहस हो रही है।

जज साहब, कल मुझे छोटी सी नौकरी की चिंता थी लेकिन आज बड़ी बड़ी पार्टियों से विधानसभा और संसदीय चुनाव लड़ने के प्रस्ताव आ रहे हैं।

पता नहीं कहाँ से, लेकिन करोड़ों रुपये मेरे खाते में आ गए।

जज- लेकिन ये देशद्रोह है, आप पर देशद्रोह का मुकदमा चल सकता है।

आरोपित: 🐷कोई बात नहीं, कपिल सिब्बल, मनु सांघवी, प्रशांत भूषण जैसे देश के जाने माने धुरंधर वकील जिन्होंने याकूब मेमन, कसाब और अफजल का बचाव किया था, मुझे इस सबसे बाहर निकालने के लिए तरस रहे हैं।

मुझे दोषी ठहराने में पहले तो निचली अदालत में ही 20 साल लग जाएंगे, फिर मैं उच्च न्यायालय जाऊंगा, फिर सुप्रीम कोर्ट और हो सकता है इस बीच मैं एमएलए, एमपी या फिर मंत्री भी बन जाऊंगा तो ऐसे कैसे से मुझे क्या परेशानी है।

जज साहब खड़े होकर- मैं आपको सेल्यूट करता हूँ। आपके विचारों का सम्मान करता हूँ। आपको अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। आप भटके हुए हो, आपको सुधरने का मौका मिलना चाहिए।

यह लेख कोई मजाक नहीं है।-
कन्हैया कुमार, जिग्नेश, उमर खालिद, शीला, राशिद, हार्दिक, अल्पेश, ओवैसी, आजम और अजमल जैसे ऐसी ही हरकतों से नेता बने हैं।

धन्य है हमारा लोकतंत्र और हम लोग।🙏🙏

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रियजनों को हदृय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

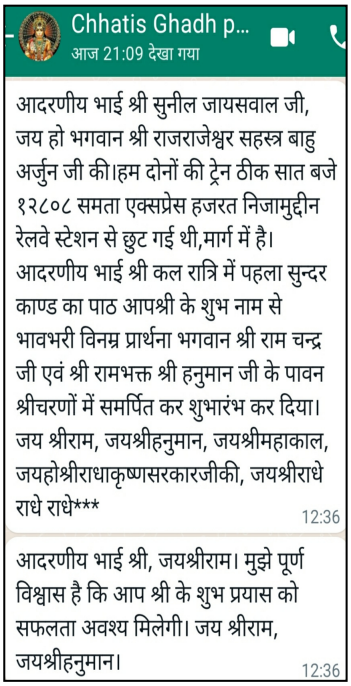

सादर प्रकाशनार्थ

"आधार-कार्ड" का जन्म दिवस 29 सितंबर देश भर में आधार सेवा दिवस के रूप में मनेगा।

इंदौर "आधार-कार्ड" धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल ने बताया की आधार कार्ड को शुरू हुए 13 साल हो गए हैं, 29 सितंबर 2010 को ग्राम टेंभली जिला नंदुरबार महाराष्ट्र में इसका शुभारंभ हुआ था, जहाँ की "आधार-कार्ड" के जनक सुनील जायसवाल जी का ससुराल है आधार कार्ड का 13 वाँ जन्म दिवस 29 सितंबर आधार सेवा दिवस के रूप में देश भर में मनाया जवेगा, आधार-कार्ड की परि कल्पना कर उसे उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति श्रीमान अब्दुल कलाम साहब को अपना शोध पत्र 15 अगस्त 2005 में भेजा था। उक्त शोध पत्र को राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा संज्ञान में ले लिया गया था एंव प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा मिसिल में रख लिया गया था। सुनील जायसवाल को अपना गौरव प्राप्त हो इस हेतु सोसाइटी द्वारा देशभर में व्यापक जन जागरण और चेतना जागृति मुहिम चलाई गई है, आधार कार्ड के जन्म की कहानी "आधारायण-ग्रंथ" के लिए ध्यान आकर्षण व्यापक जन प्रचार प्रसार किया जाएगा एवं जन जागरण सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी जी, नमस्कार, मैं सुनील जायसवाल, इन्दौर से आपको अपने मन की बात यह बताना चाहता हूँ कि भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड का जनक मैं सुनील जायसवाल हूँ, ना कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के पूर्व चेयरमैन श्रीमान नंदन नीलेकणी जी हैं, जो कि अपने आप को आधार कार्ड का जनक कहते हैं। आधार कार्ड की परिकल्पना को 15 अगस्त 2005 को मेरे द्वारा राष्ट्रपति सचिवालय एवं प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा गया था, जिस पर राष्ट्रपति सचिवालय ने संज्ञान ले लिया था एवं प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा मिसिल में रख लिया गया था। मेरे उक्त शोधपत्र का नाम कर लो इंसान को मुट्ठी में था, जिसे भारत सरकार द्वारा विशिष्ट पहचान पत्र के नाम से लागू किया गया था। जिसे सन् 2010 में नंदन नीलेकणी जी ने आधार नाम दिया और उक्त परिकल्पना को वह अपना बताने लगे, जिसकी शिकायत मैं पिछले 18 वर्षों से भारत सरकार के समक्ष निरंतर कर रहा हूँ। जिसके साक्ष्य स्वरूप मेरे द्वारा एक आधारयण ग्रंथ का भी प्रकाशन किया गया है।
कृपया उक्त को संज्ञान में लेकर मुझे न्याय दिलाया जावे । साक्ष्य स्वरूप यू-ट्यूब पर आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल के नाम से कई पत्रकार साक्षातकार उपलब्ध है ।

दैनिक भास्कर इंदौर 23-09-2023

तुरंत न्याय देने की पुलिस की सिंघम वाली छवि खतरनाक संकेतः जस्टिस पटेल

एजेंसी | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम पटेल ने कहा है कि कानून की उचित प्रक्रिया की चिंता किए बिना तत्काल न्याय करने की पुलिस की सिनेमाई छवि ठीक नहीं है। "सिंघम' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों सी कार्रवाई हानिकारक संदेश भेजती है। जस्टिस पटेल भारतीय पुलिस फाउंडेशन के सालाना कार्यक्रम पुलिस सुधार दिवस पर बोल रहे थे। जस्टिस पटेल ने कानूनी प्रक्रिया को लेकर लोगों में बढ़ रही "अधीरता' पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, कानून लागू करने के तंत्र में सुधार तब तक नहीं किया जा सकता, जब तक हम खुद में सुधार नहीं करते। पुलिस की छवि "दबंग, भ्रष्ट और गैरजिम्मेदार' के रूप में लोकलुभावन है। उन्होंने कहा, जब जनता सोचती है कि अदालतें काम नहीं कर रही हैं, तो पुलिस के कदम उठाने पर वह जश्न मनाती है। इस नजरिए वाली लोकप्रिय संस्कृति भारतीय सिनेमा में गहराई तक फैली है।

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज

द्वारा समस्त प्रियजनों को हदृय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

" करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम"

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रृद्धांजलि...

उठावना

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करने में आता है की स्व. सेठ केशरीमल जी जायसवाल के पुत्र, स्व नंदकिशोर जी एवं महेशकुमार जायसवाल (मालक श्री) के छोटे भाई, हरिशंकर एवं सुरेश कुमार जायसवाल के बड़े भाई, राकेश एवं पंकज जायसवाल के पिताजी

श्री ओम प्रकाश जी जायसवाल

का स्वर्ग वास **5/7/2023** को होगया है जिनका उठावना **7/7/2023** (शुक्रवार) को शाम **5:00** बजे हैहय क्षत्रिय धर्मशाला (जायसवाल गेस्ट हाउस) निहालपुरा इंदौर पर रखा गया है

शोकाकुल: समस्त जायसवाल परिवार

प्रतिष्ठान - श्री मालक होटल, राजवाड़ा, इंदौर

सोशल मिडिया पर प्रतिदिन प्रसारित

9827222811 https://youtu.be/xurY3eQlrSI https://youtu.be/0XQf02Ub6fk
E-mail - aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com
http://www.aadhaarcardkejanaksuniljaiswalindore.com

सुविचार

भारत सरकार द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
सुनील जायसवाल
100 बिलियन+ जिनियस
लेखक–सुविचारक

I have to save house family and ours want it to get vaccination today itself.

ll घर परिवार और अपनों को मुझे बचाना है, मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है ll

पैन से आधार को लिंक नहीं करने वालों का होगा बड़ा नुकसान?

नईदिल्ली। पैन को आधार से लिंक कराने की डेडलाइन समाप्त हो चुकी है. जिनके भी पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं हैं, वो अब डीएक्टिवेट हो चुके हैं. ऐसे में लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है.

पैन से आधार को लिंक करने की समय सीमा 30 जून 2023 को समाप्त हो गई. जिन लोगों ने अभी तक अपने पैन को आधार से लिंक नहीं किया है, इसका मतलब है कि उनका पैन कार्ड एक जुलाई 2023 से निष्क्रिय हो चुका है. पैन को आधार से लिंक नहीं करने वालों को डिपॉजिट, ट्रांजैक्शन, लोन और क्रेडिट से जुड़े कामों के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. लेकिन 10 ऐसे काम, जिसे पैन को आधार से लिंक नहीं कराने वाले लोग नहीं कर पाएंगे.

इनकम टैक्स विभाग के अनुसार, ऐसे कौन-कौन से ट्रांजेक्शन हैं जो निष्क्रिय पैन के साथ नहीं किए जा सकते हैं.

1. इनकम टैक्स का रिफंड प्रोसस नहीं किया जाएगा

सीबीडीटी के अनुसार, टैक्सपेयर्स आयकर रिटर्न दाखिल कर सकते हैं, लेकिन डीएक्टिवेट पैन का इस्तेमाल करके रिफंड के लिए क्लेम नहीं कर पाएंगे.

2. नहीं खुलेगा डीमैट अकाउंट

डीमैट खाता नहीं खुलवा सकेंगे. इसके साथ ही म्यूचुअल फंड यूनिट खरीदने के लिए भी 50,000 रुपये ज्यादा पेमेंट नहीं कर सकेंगे.

3. इक्विटी निवेश पर असर

शेयर के अलावा अन्य किसी सिक्योरिटी की खरीद-बिक्री के लिए एक बार में एक लाख रुपये से अधिक का पेमेंट नहीं किया जा सकता है.

4. ऐसी कंपनियों के शेयर

ऐसी कंपनियां, जो स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड नहीं हैं. उनके शेयरों को खरीदने और बेचने के लिए प्रति ट्रांजैक्शन एक लाख रुपये से अधिक का भुगतान नहीं किया जा सकता है.

5. गाड़ी खरीद-बिक्री

गाड़ियों को खरीदने और बेचने पर अधिक टैक्स देना होगा.

6. फिक्स्ड डिपॉजिट-सेविंग अकाउंट

पैन को आधार से लिंक नहीं करने वाले बैंक या को-ऑपरेटिव बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट और सेविंग खाते को छोड़कर कोई भी अकाउंट नहीं खुलवा सकेंगे. इसके अलावा बैंक या को-ऑपरेटिव बैंक में 50,000 रुपये से अधिक की रकम जमा नहीं कर सकते हैं.

7. क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड

क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड के लिए आवेदन नहीं किया जा सकता है.

8. इंश्योरेंस पॉलिसी

एक वित्तीय वर्ष में बीमा पॉलिसीयों का प्रीमियम 50,000 रुपये से ज्यादा नहीं भर सकते हैं.

9. प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री

10 लाख रुपये से अधिक की अचल प्रॉपर्टी या 10 लाख से अधिक के स्टैंप वाली प्रॉपर्टी की खरीद या बिक्री पर भी अधिक टैक्स देना होगा.

10. वस्तु या सर्विस की खरीद-बिक्री

किसी भी वस्तु या सर्विस की खरीद-बिक्री के लिए प्रति ट्रांजैक्शन दो लाख रुपये से अधिक का भुगतान करता हैं, तो अधिक टैक्स लगेगा.

अगर आपने भी अभी तक अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं कराया है, तो उसे दोबारा एक्टिवेट करने के लिए 1,000 रुपये की फीस देनी होगी. फिर आपका पैन कार्ड 30 दिनों के भीतर एक्टिवेट हो जाएगा.

2 साल में बनाए 4 लाख फर्जी आधार-पैन कार्ड! फिर फेक बैंक खाते खुलवाकर की साइबर ठगी, तीन अरेस्ट

वाराणसी। साइबर अपराधियों के लिए फर्जी पहचान पत्र से खोला गया बैंक खाता सबसे बड़ा हथियार होता है, क्योंकि धोखाधड़ी कर ठगी गई रकम को साइबर अपराधी इसी बैंक खाते में जमा करवाते हैं. पुलिस जब तक तफ्तीश करती है तो पता चलता है जिस नाम पते पर बैंक खाता खुला था वह सब फर्जी था. फर्जी नाम पते पर बैंक खाता कैसे खुल रहा था, इसकी तफ्तीश वाराणसी साइबर पुलिस ने की और यूपी पुलिस की साइबर टीम ने लखनऊ से ऐसे 3 लोगों को गिरफ्तार किया.

बीते साल वाराणसी साइबर थाने पर शिकायत मिली कि ट्रेजरी अधिकारी बनकर पुलिस विभाग के रिटायर्ड अफसरों से ठगी की जा रही है. वाराणसी साइबर टीम ने जांच के बाद दो एफआईआर दर्ज हुई और 9 लोग गिरफ्तार किए गए. पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के बाद पता चला कि फर्जी नाम पता से पैन कार्ड और आधार कार्ड बनाकर साइबर अपराधियों के द्वारा ठगी के लिए खोले जा रहे बैंक खातों का पूरा एक रैकेट चल रहा है.

महाकाल के गर्भगृह में आधारकार्ड दिखाकर मिलेगा प्रवेश

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में अधिकमास में श्रावण प्रारंभ होने पर 4 जुलाई से 7 सितंबर दो माह गर्भगृह में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित किया है। शहर में रहने वाली नागरिकों को आधार कार्ड दिखाने पर 11 जुलाई से निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। घर बैठे ही शहर के लोग ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे।

कितने तरह का होता है आधार कार्ड, कहां होता है इनका इस्तेमाल?

नई दिल्ली। देश में हर नागरिक के पास आधार कार्ड होना अनिवार्य है। इसका इस्तेमाल कई सरकारी कामों के साथ पर्सनल कामों के तौर पर भी काम करते हैं. आधार कार्ड पर मौजूद नंबर 12 अंकों का आइडेंटिटी नंबर होता है जो यूआईडीएआई के जरिये जारी किया जाता है। देश में 4 तरह के आधार कार्ड होते हैं। आप अपना आधार कार्ड को 4 फॉर्मेट में बना सकते हैं। लोगों की सुविधा के लिए यूआईडीएआई ने यह सुविधा शुरू की है। यूआईडीएआई के वेबसाइट के मुताबिक आधार कार्ड के सभी फॉर्मेट से वैध हैं। आइए, जानते हैं कि 4 तरह के आधार कार्ड होते हैं।

आधार लेटर- यह एक पेपर बेस्ट लेटर होता है। इस लेटर में आधार कार्ड के जारी होने के तारीख के साथ साथ एक सुरक्षित क्यूआर कोड होता है। आपको इस लेटर बनाने के लिए बायोमेट्रिक अपडेट करवाना जरूरी होता है। इस आधार लेटर को बनवाने के लिए आपको कोई चार्ज देने की आवश्यकता नहीं होती है। अगर आपका आधार कार्ड खो जाता है तो आप यूआईडीएआई के वेबसाइट पर जाकर 50 रुपये का चार्ज देकर नया आधार कार्ड बनवा सकते हैं।

आधार पीवीसी कार्ड- आधार पीवीसी कार्ड एक हल्के और टिकाऊ कार्ड होता है। इस कार्ड में डिजिटल साइन वाला क्यूआर कोड और आपकी फोटो और आधार नंबर होता है। इस कार्ड को पोस्ट द्वारा आवेदक के पते पर भेजा जाता है। आपको इस कार्ड को बनवाने के लिए यूआईडीएआई के वेबसाइट पर 50 रुपये का शुल्क के भुगतान के साथ अप्लाई कर सकते हैं।

एम-आधार- यह एक तरह का मोबाइल एप्लिकेशन होता है। यह आधार संख्या को छ्ड्ढ्रक्र के साथ रजिस्टर करने के साथ अपने आधार रिकॉर्ड ले जाने के लिए एक इंटरफेस के तौर पर काम करता है। इसमें आधार नंबर के साथ फोटो भी शामिल होता है। इसके साथ ऑफलाइन वेरिफिकेशन के लिए इसमें एक क्यूआर कोड भी होता है। आप इस कार्ड को फ्री में डाउनलोड कर सकते हैं।

ई-आधार- ई-आधार के नाम से ही पता चल जाता है कि ये आधार कार्ड का इलेक्ट्रॉनिक रूप है। इसमें ऑफलाइन वेरिफिकेशन के लिए एक क्यूआर कोड होता है। आप अपने रजिस्टर मोबाइल के जरिये ई-आधर को यूआईडीएआई के वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर,-452006 से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)